Series : EFGH/S

SET ~ 2

प्रश्न-पत्र कोड 3/S/2

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **15** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **15** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और
\# इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

हिन्दी (अ)

HINDI (A)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे*

*अधिकतम अंक : **80***

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *इस प्रश्न-पत्र में कुल **15** प्रश्न हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।*

(ii) *इस प्रश्न-पत्र में कुल **चार** खण्ड हैं – खण्ड **क**, **ख**, **ग** और **घ**।*

(iii) ***खण्ड क** में कुल **2** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **10** है।*

(iv) ***खण्ड ख** में कुल **4** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **20** है।*

(v) ***खण्ड ग** में कुल **5** प्रश्न हैं, जिनमें उपप्रश्नों की संख्या **21** है।*

(vi) ***खण्ड घ** में कुल **4** प्रश्न हैं।*

(vii) *प्रश्न-पत्र में समग्र विकल्प नहीं दिया गया है। यद्यपि, कुछ खण्डों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं, दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(viii) *यथासंभव सभी खण्डों के उत्तर क्रमश: लिखिए।*

खण्ड क

(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर लिखिए : *7*

मैं हूँ उनके साथ खड़ी जो सीधे रखते अपनी रीढ़
कभी नहीं जो तज सकते हैं, अपना न्यायोचित अधिकार
कभी नहीं जो सह सकते हैं, शीश नवाकर अत्याचार
एक अकेले हों, या उनके साथ खड़ी हो भीड़। मैं हूँ उनके .....

निर्भय होकर घोषित करते, जो अपने उद्‌गार विचार
जिनकी जिह्वा पर होता है, उनके अंतर का अंगार
नहीं जिन्हें चुप करती है आतताइयों की शमशीर।
मैं हूँ उनके साथ खड़ी जो सीधे रखते अपनी रीढ़।

नहीं झुका करते जो दुनिया से करने को समझौता
ऊँचे से ऊँचे सपनों को जो देते रहते न्योता
दूर देखती जिनकी पैनी आँख, भविष्यत का तम चीर।
मैं हूँ उनके साथ खड़ी जो सीधे रखते अपनी रीढ़।

जो अपने कंधों से पर्वत से बढ़ टक्कर लेते हैं
पथ की बाधाओं को जिनके पाँव चुनौती देते हैं
जिनको बाँध नहीं सकती है लोहे की बेड़ी-जंजीर।
मैं हूँ उनके साथ खड़ी जो सीधे रखते अपनी रीढ़।

(i) 'रीढ़ सीधी रखना' – का आशय है : *1*

(A) कमर सीधी रखना

(B) स्वावलंबी होना

(C) अकड़कर चलना

(D) रीढ़ की हड्डी सीधी रखना

(ii) काव्यांश में 'मैं' प्रयुक्त हुआ है : *1*

(A) कवि के लिए

(B) लेखनी के लिए

(C) कविता के लिए

(D) नियति के लिए

(iii) 'आतताइयों की शमशीर' – पंक्ति में 'शमशीर' प्रतीकार्थ है : *1*

(A) तलवार का

(B) अत्याचार का

(C) आवाज़ का

(D) साम्राज्य का

(iv) सीधी रीढ़ रखने वाले व्यक्तियों की विशेषताएँ लिखिए। *2*

(v) 'पर्वत से बढ़ टक्कर लेना' का क्या आशय है ? *2*

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित दिए गए प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर लिखिए : *7*

अपना और पराया दुख दोनों क्रोध को बढ़ाने वाले हैं। इसमें अपने स्वार्थ के लिए क्रोध पर संयम ही उपयुक्त समझा गया है। इसका मुख्य कारण यही है कि दूसरे के लिए किया जाने वाला क्रोध तो दूसरे के दुख से व्याकुल होने पर ही होता है। जो सगे-संबंधियों या मित्रों के लिए किए गए क्रोध से भी उत्तम कोटि का माना जा सकता है। ऐसे ही क्रोध का उदाहरण काव्य-जगत का जगमगाता रत्न 'रामायण' है, जिसकी रचना आदिकवि वाल्मीकि ने की थी। व्याध द्वारा क्रौंच पक्षी को मारने पर वाल्मीकि के मुख से क्रोध रूपी काव्यधारा बह निकली थी जिससे आगे चलकर 'रामायण' की रचना हुई। यहाँ वाल्मीकि ने बिना किसी भेदभाव के, कल्याण के लिए व्याध को शाप दिया जो व्याध की कठोरता का दंड और साहित्य का अनूठा ग्रंथ बना। इसी प्रकार शिशुपाल के अत्याचार जब सीमा पार कर गए तो श्रीकृष्ण को क्रुद्ध होकर उसे दंडित करके, समाज के कल्याण का बीड़ा उठाना पड़ा। इन दोनों ही परिस्थितियों में क्षमा अपनी सीमा समाप्त कर चुकी थी। उस समय यदि ऐसा न किया जाता तो समाज में निराशा और अत्याचार का बोल-बाला बढ़ता ही चला जाता। आशा और उत्साह सदा के लिए समाप्त हो जाते। इन परिस्थितियों में धर्म के उद्धार के लिए, पवित्र भावों की रक्षा के लिए, अन्याय का विरोध करना जरूरी हो जाता है। ऐसा क्रोध धर्म में विश्वास को बढ़ाता है। संसार में शांति की स्थापना करता है। अत: इस प्रकार के क्रोध को पवित्र या पावन क्रोध की संज्ञा दी गई है। राम और कृष्ण ने ऐसा ही कालाग्निसदृश अर्थात् मृत्यु के समान भयंकर क्रोध कर तत्कालीन समाज की रक्षा की थी।

(i) क्रोध का वह रूप सबसे पावन है जो : *1*

(A) काल के समान भयंकर और असंयमित हो

(B) मित्रों के दुख को दूर करने के लिए हो

(C) दूसरों के दुख को दूर करने के लिए हो

(D) स्वार्थ की भावना से परिपूर्ण, संयमित हो

(ii) निम्नलिखित कथन और कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए विकल्पों से सही उत्तर चुनकर लिखिए : *1*

कथन : राम और कृष्ण ने कालाग्निसदृश क्रोध कर तत्कालीन समाज की रक्षा की थी।

कारण : समाज को निराशा और अत्याचार के भँवर से निकालने के लिए आवश्यक था।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कथन ग़लत है, लेकिन कारण सही है।

(C) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं और कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iii) क्रोध पर संयम आवश्यक है, – जब वह : *1*

(A) निजी हित से जुड़ा हो

(B) मित्रों के दुख से जुड़ा हो

(C) अपरिचित व्यक्ति के दुख से जुड़ा हो

(D) शक्तिशाली व्यक्ति से जुड़ा हो

(iv) गद्यांश में वाल्मीकि और श्रीकृष्ण का उदाहरण किस उद्देश्य से दिया गया है ? *2*

(v) किन परिस्थितियों में क्रोध करना आवश्यक हो जाता है ? *2*

खण्ड ख

(व्यावहारिक व्याकरण)

3. निर्देशानुसार 'रचना के आधार पर वाक्य-भेद' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×1=4*

(क) पिताजी हमें उठाते और पूजा में बिठा लेते। (सरल वाक्य में बदलिए)

(ख) पिताजी के ज़मीन पर लेटते ही हम उनकी छाती पर चढ़ जाते थे। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

(ग) बरखा बंद होते ही बाग में बहुत से बिच्छू नज़र आए। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

(घ) जब वह घर की ओर लौटने लगते तब हमें झूला झुलाते थे। (आश्रित उपवाक्य छाँटकर उसका भेद भी लिखिए)

(ङ) मैं चाहती थी कि इस सारे परिदृश्य को अपने भीतर समेट लूँ। (रचना की दृष्टि से वाक्य का भेद पहचानकर लिखिए)

4. निर्देशानुसार 'वाच्य' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4×1=4*

(क) कवियों ने वर्षा ऋतु को अपनी रचनाओं में महत्त्वपूर्ण स्थान प्रदान किया है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

(ख) लहनासिंह द्वारा दूसरी बाल्टी भरकर उसके हाथ में दे दी गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(ग) मैं इस पेड़ पर नहीं चढ़ सकता। (भाववाच्य में बदलिए)

(घ) भाववाच्य की क्या पहचान होती है ? उदाहरण सहित लिखिए।

(ङ) मोहन ने रोटी का एक टुकड़ा मुँह में रख लिया। (वाच्य पहचानकर भेद लिखिए)

5. निर्देशानुसार 'पद-परिचय' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के रेखांकित पदों का पद-परिचय दीजिए : *4×1=4*

(क) कौन नहीं है आज वहाँ ?

(ख) इस कहानी में मनुष्य के भीतर का द्वंद्व है।

(ग) उसने राहुल की ओर देखा और हल्के-से हँस पड़ी।

(घ) शाहनी ने नज़र उठाई।

(ङ) शाहनी ने अंजलि भरकर सूर्य देवता को नमस्कार किया।

6. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित निम्नलिखित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों की काव्य-पंक्तियों में अलंकार पहचानकर लिखिए : *4×1=4*

(क) यह देखिए, अरविंद से शिशुवृंद कैसे सो रहे

(ख) गोपी पद-पंकज पावन कि रज जामे सिर भीजे

(ग) अति कटु बचन कहति कैकई।
मानहु लोन जरे पर देई॥

(घ) पंखुरी लगे गुलाब की, परि है गात खरौंट।

(ङ) पेड़ झुक झाँकने लगे गर्दन उचकाय

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तक एवं पूरक पाठ्य-पुस्तक पर आधारित)

7. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

इस दृष्टि से यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज़ की कसर थी जो देखते ही खटकती थी। नेताजी की आँखों पर चश्मा नहीं था। यानी चश्मा तो था, लेकिन संगमरमर का नहीं था। एक सामान्य और सचमुच के चश्मे का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था। हालदार साहब जब पहली बार इस कस्बे से गुज़रे और चौराहे पर पान खाने रुके तभी उन्होंने इसे लक्षित किया और उनके चेहरे पर एक कौतुकभरी मुसकान फैल गई। वाह भई ! यह आइडिया भी ठीक है। मूर्ति पत्थर की, लेकिन चश्मा रियल !

जीप कस्बा छोड़कर आगे बढ़ गई तब भी हालदार साहब इस मूर्ति के बारे में ही सोचते रहे और अंत में इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि कुल मिलाकर कस्बे के नागरिकों का यह प्रयास सराहनीय ही कहा जाना चाहिए। महत्त्व मूर्ति के रंग-रूप या कद का नहीं, उस भावना का है वरना तो देश-भक्ति भी आजकल मज़ाक की चीज़ होती जा रही है।

(i) कस्बे के नागरिकों के किस प्रयास को सफल और सराहनीय कहा गया है ?

(A) चौराहे पर नेताजी की मूर्ति स्थापित करना

(B) मूर्ति की आँखों पर असली चश्मा लगाना

(C) देशभक्तों को स्मरण और नमन करना

(D) नगरपालिका द्वारा प्रशासनिक कार्य करना

(ii) 'वाह भई ! यह आइडिया भी ठीक है' – पंक्ति में किस 'आइडिया' की बात हो रही है ?

(A) मूर्ति स्थापना की

(B) संगमरमर की मूर्ति बनाने की

(C) चौराहे पर मूर्ति स्थापना की

(D) मूर्ति पर रियल चश्मा लगाने की

(iii) हालदार साहब चौराहे पर क्यों रुके थे ?

(A) पान खाने (B) विश्राम करने

(C) मूर्ति देखने (D) चश्मा देखने

(iv) हालदार साहब के चेहरे की मुसकान में कौतुकता का भाव क्यों था ?

(A) मूर्ति पर लगे असली चश्मे का कारण जानने के लिए

(B) मूर्ति बनाने वाले व्यक्ति के विषय में जानने के लिए

(C) कस्बे के चौराहे पर मूर्ति लगवाने के पीछे का कारण जानने के लिए

(D) मूर्तिकार द्वारा मूर्ति का चश्मा नहीं बनाने के पीछे का कारण जानने के लिए

(v) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : महत्त्व कार्य के बड़े या छोटे होने का नहीं, उसे करने के पीछे की भावना का है।

कारण : नि:स्वार्थ भाव से/देशभक्ति की भावना से किया गया छोटे से छोटा कार्य भी महान है।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कारण सही है, किंतु कथन ग़लत है।

(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

8. निर्धारित गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(क) 'बालगोबिन भगत गृहस्थ होते हुए भी संन्यासी थे।' – पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए।

(ख) 'अनेक बार बड़ों द्वारा अनजाने और अनचाहे में किया गया व्यवहार बच्चों में हीन भावना को जन्म देता है।' 'एक कहानी यह भी' पाठ के आधार पर इसकी पुष्टि कीजिए।

(ग) 'नौबतखाने में इबादत' पाठ से उद्धृत पंक्ति 'फटा सुर न बख्शे। लुंगिया का क्या है, आज फटी है तो कल सी जाएगी।' कथन के संदर्भ में बिस्मिल्ला खाँ के व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए।

(घ) 'संस्कृति' पाठ के आधार पर सभ्यता और संस्कृति के बीच का अंतर उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

9. निर्धारित कविताओं के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 25 – 30 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(क) सूरदास के 'पद' के आधार पर लिखिए कि ऐसे कौन-से कारण हैं कि गोपियाँ यह कहने को विवश हो गईं कि कृष्ण राजनीति के ज्ञाता हो गए हैं ?

(ख) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' प्रसंग में परशुराम के प्रति लक्ष्मण के कहे गए वचनों को आप कहाँ तक उचित मानते हैं ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(ग) 'फ़सल' कविता के संदर्भ में लिखिए कि आपकी दृष्टि में फ़सल उत्पादन में सर्वाधिक योगदान किसका है और क्यों ?

(घ) 'आत्मकथ्य' कविता से उद्धृत – 'तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे – यह गागर रीति' – पंक्ति के संदर्भ में प्रसाद जी के व्यक्तित्व की विशेषताएँ लिखिए।

10. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित बहुविकल्पी प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

तुम्हारी यह दंतुरित मुसकान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात...
छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण
छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल
बाँस था कि बबूल ?
तुम मुझे पाए नहीं पहचान ?
देखते ही रहोगे अनिमेष !

(i) 'पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण' – पंक्ति का आशय है :

(A) पत्थर पिघलकर पानी की तरह होना
(B) कठोर हृदय व्यक्ति का भी भावुक होना
(C) चट्टानी पत्थरों का जलधारा से युक्त होना
(D) कठोर हृदय व्यक्ति का भी निर्मल होना

(ii) 'मृतक में भी डाल देगी जान' – पंक्ति में 'मृतक' से अभिप्राय है :

(A) मरा हुआ व्यक्ति
(B) स्वार्थी व्यक्ति
(C) आलसी व्यक्ति
(D) संवेदनहीन व्यक्ति

(iii) धूलि-धूसर से युक्त शरीर किसका है ?

(A) कवि का
(B) पिता का
(C) माता का
(D) शिशु का

(iv) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उपयुक्त विकल्प चुनकर लिखिए :

कथन : शिशु की मनोहारी मुसकान देखकर कवि के हृदय में सौंदर्य और कोमलता का संचार हो गया।

कारण : शिशु की दंतुरित मुसकान की सुंदरता कठोर मन को पिघला देती है।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कारण ग़लत है, किंतु कथन सही है।

(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की ग़लत व्याख्या करता है।

(D) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(v) कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और उचित विकल्प चुनकर लिखिए :

कॉलम-I		कॉलम-II	
1.	सौंदर्यी आनंद	(क)	बाँस-बबूल
2.	शिशु	(ख)	शेफालिका के फूल
3.	पिता	(ग)	जलजात

विकल्प :

(A) (1-ग), (2-ख), (3-क)

(B) (1-ख), (2-ग), (3-क)

(C) (1-क), (2-ग), (3-ख)

(D) (1-ख), (2-क), (3-ग)

11. पूरक पाठ्य-पुस्तक के निर्धारित पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 – 60 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(क) 'माता का अँचल' पाठ में वर्णित मूसन तिवारी वाली घटना का संक्षिप्त वर्णन करते हुए लिखिए कि इस घटना से बाल मनोविज्ञान के विषय में क्या जानकारी मिलती है ?

(ख) 'साना-साना हाथ जोड़ि' – पाठ से उद्धृत – 'जाने कितना ऋण है हम पर इन नदियों का'– कथन के संदर्भ में मानव जीवन में नदियों के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

(ग) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के आधार पर अनुभव और अनुभूति के अंतर को स्पष्ट करते हुए लिखिए कि लेखक को लेखन में दोनों में से कौन अधिक प्रभावित करता है और क्यों ?

खण्ड घ
(रचनात्मक लेखन)

12. निम्नलिखित तीन विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर दिए गए संकेत-बिंदुओं के आधार पर लगभग 120 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए : *6*

(क) ऑनलाइन गेमिंग की बढ़ती लत

संकेत-बिंदु

- ऑनलाइन गेमिंग से अभिप्राय
- होने वाली हानियाँ
- दूर रहने के उपाय

(ख) पर्यावरण संरक्षण में मेरी भूमिका

संकेत-बिंदु

- पर्यावरण संरक्षण से अभिप्राय
- आवश्यकता
- आपकी भूमिका

(ग) माँ की अनुपस्थिति में अतिथि का स्वागत

संकेत-बिंदु

- अतिथि को अचानक देखकर प्रसन्नता और हड़बड़ाहट
- अतिथि की आवभगत
- अतिथि द्वारा धन्यवाद ज्ञापन अविस्मरणीय क्षण

13. (क) आप ज्योति/प्रकाश हैं। अ.ब.स. बचत बैंक में आपका बचत खाता है। बैंक द्वारा जारी आपका क्रेडिट कार्ड कहीं खो गया है। तत्काल प्रभाव से आपके खाते से लेन-देन संबंधी सभी कार्यवाही बंद करने का आग्रह करते हुए शाखा प्रबंधक को लगभग 80 शब्दों में एक ई-मेल लिखिए। *5*

अथवा

(ख) राजकीय विद्यालय अ.ब.स. नगर को हिंदी पढ़ाने वाले स्नातकोत्तर शिक्षक की तत्काल आवश्यकता है। ज्योति/प्रकाश की ओर से शैक्षणिक योग्यताओं और अनुभव का वर्णन करते हुए विद्यालय प्रबंधक को भेजने हेतु एक स्ववृत्त लगभग 80 शब्दों में तैयार कीजिए। *5*

14. (क) ओ.टी.टी. पर्दे पर प्रदर्शित की जाने वाली हिंसक और अश्लील सामग्री से समाज पर पड़ने वाले दुष्प्रभाव पर चिंता व्यक्त करते हुए किसी दैनिक हिंदी समाचार के संपादक को देव/देवांशी की ओर से लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। *5*

अथवा

(ख) आप देवांशी/देव हैं। आपका छोटा भाई अपने संपन्न मित्रों से प्रभावित हो नित नई-नई कीमती चीज़ों की माँग करता है और नहीं दिलाने पर क्रोधित या उदास हो जाता है। उसे जीवन में चादर अनुसार खर्च करने की सीख देते हुए लगभग 100 शब्दों में एक पत्र लिखिए। *5*

15. (क) बढ़ते साइबर अपराध से लोगों को सावधान करने हेतु भारत सरकार के रिज़र्व बैंक की ओर से जनहित में जारी एक आकर्षक विज्ञापन लगभग 40 शब्दों में तैयार कीजिए। *4*

अथवा

(ख) घर-परिवार से दूसरे शहर में नौकरी करने वाले आपके चाचाजी का तबादला अपने ही शहर में हो गया है। उन्हें बधाई देते हुए लगभग 40 शब्दों में एक संदेश लिखिए। *4*